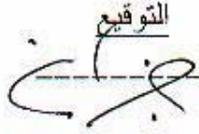


ب

"قرار لجنة المناقشة"

نوقشت هذه الرسالة (الإسناد بين النحو والبلاغة) وأجيزت بتاريخ ٢٤/١٢/٢٠٠٧

أعضاء لجنة المناقشة

التوقيع


مشرفاً ورئيساً

١- د. جعفر نايف عباينة

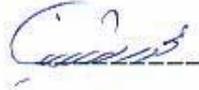
أستاذ النحو واللغة المشارك



عضواً

٢- أ.د. إسماعيل عمارة

أستاذ (النحو واللغة).



عضواً

٣- أ.د. محمود مغالسة

(أستاذ النحو)



عضواً

٤- د. عطا موسى

أستاذ النحو واللغة المساعد/جامعة إربد الأهلية

تعتمد كلية الدراسات العليا
هذه النسخة من الرسالة
التوقيع... التاريخ ٢٤/١٢/٢٠٠٧


قلاع أربع في زمن عز فيه الصمود

أمي

الفلوجة

جنين

إلى

الإهداء

.

|

↳

|

.

..

فهرس المحتويات

| | |
|---|-------|
| | |
| | |
| | |
| - | |
| - | |
| | |
| - | |
| - | |
| - | |
| - | |
| | |
| | |
| - | |
| - | |
| - | |
| | |
| | |
| - | |
| - | |
| - | |
| | |
| - | |
| - | |

قائمة الرموز المستعملة

| الرمز | الدلالة |
|----------------------------|---------------|
| المقولات : | |
| ف | فعل |
| ص | صفة |
| ط | رابط (كان...) |
| م س | مركب اسمي |
| م ص | مركب وصفي |
| م ح | مركب حرفي |
| م ظ | مركب ظرفي |
| مض | ماض |
| حا | حاضر |
| ∅ | الوظيفة صفر |
| الوظائف الدلالية : | |
| منف | منفذ |
| متق | متقبل |
| مستق | مستقبل |
| مستف | مستفيد |
| أد | أداة |
| زم | زمان |
| مك | مكان |
| حل | حال |
| عل | علة |
| مصا | مصاحب |
| الوظائف التركيبية : | |
| فا | فاعل |
| مف | مفعول |
| الوظائف التداولية : | |

| محور | ط | مح |
|---|---|---|
| بؤرة جديد | | بؤجد |
| بؤرة مقابلة | | بؤمقا |
| منادى | | منا |
| المواقع : | | |
| موقع المبتدأ | | م ^٢ |
| موقع الذيل | | م ^٣ |
| موقع المنادى | | م ^٤ |
| موقع الأدوات الصدور | | م ^١ |
| موقع المحور أو بؤرة المقابلة أو اسم الاستفهام | | م ^٥ |
| موقع الفعل | | ف |
| موقع الرابط | | ط |
| موقع الفاعل | | فا |
| موقع المفعولات | | مف |
| موقع المكونات التي لا وظيفة تركيبية لها ولا وظيفة تداولية تخولها التمتع في م ^٥ | | ص |
| رموز عامة : | | |
| مخصص المحمول (زمان، جهة) | | π |
| محمول اعتباطي | | \emptyset |
| متغيرات الموضوعات | | (س ^١ ، س ^٢ س ^ن) |
| ((يتموقع في)) | | ← |

()

.

..

"

"

.

.

.

"

"

"

..

.

.

..

,

" : "
()

()

:

:

() "

:

:

"

()"

:

:

:

:

()

:

:

()

()
()
()

.. !..

..

:

:

"

"

" :

. ()

()

"

()

:

"

. () "

" :

. () "

- / () ()

. - :

()

()
()

.()

٦

.()

∴

.() "

- -

.() "

=

()

()

()

” :

، ()

، ()

.. ..

:

=

-

-

..

..

.

=

()

” :

، ()



”

.

.

.

(

)

-

- ()

()

()

()

()

^

-

() "

-

. () - -

. ()

() () "

()

. () "

. ()

. ()

(
(
(
(

()

"

()

":

"

. () "

"

":

()

()

"

-

-

. () "

()
()

. ()

. !:

.

.

.

.

::

-
-
-
-
-
-

-

:

:

"

"

"

"

" "

"

()

"

"

"

()

() "

()

"

..

. ()

. ()

() .

" : ()

"

"

. () "

"

((
(
(
(
(

"

. ()

":

:

()

()

:

. () "

:

(communication dynamics)

. ()

:

:

.

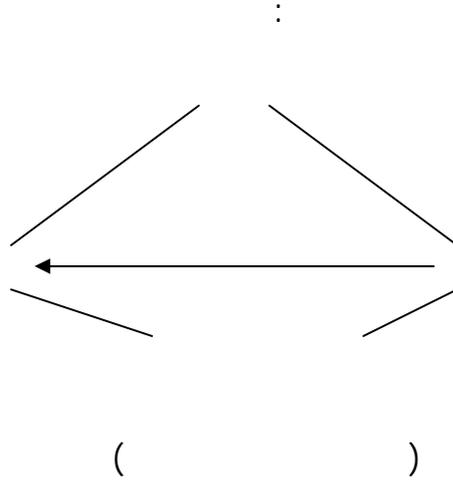
. ()

:

()
()
()

- -
.

()



"

()"

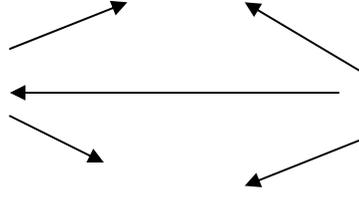
()
()
()

: .

() " " :

. ()

:



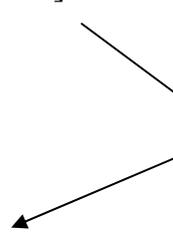
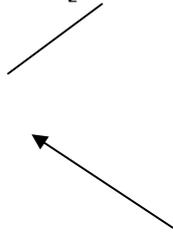
. " " :

[" "

" "

] "

()



()

(speech act)

:

()

. ()

! :

:

:

-

()

" :

:

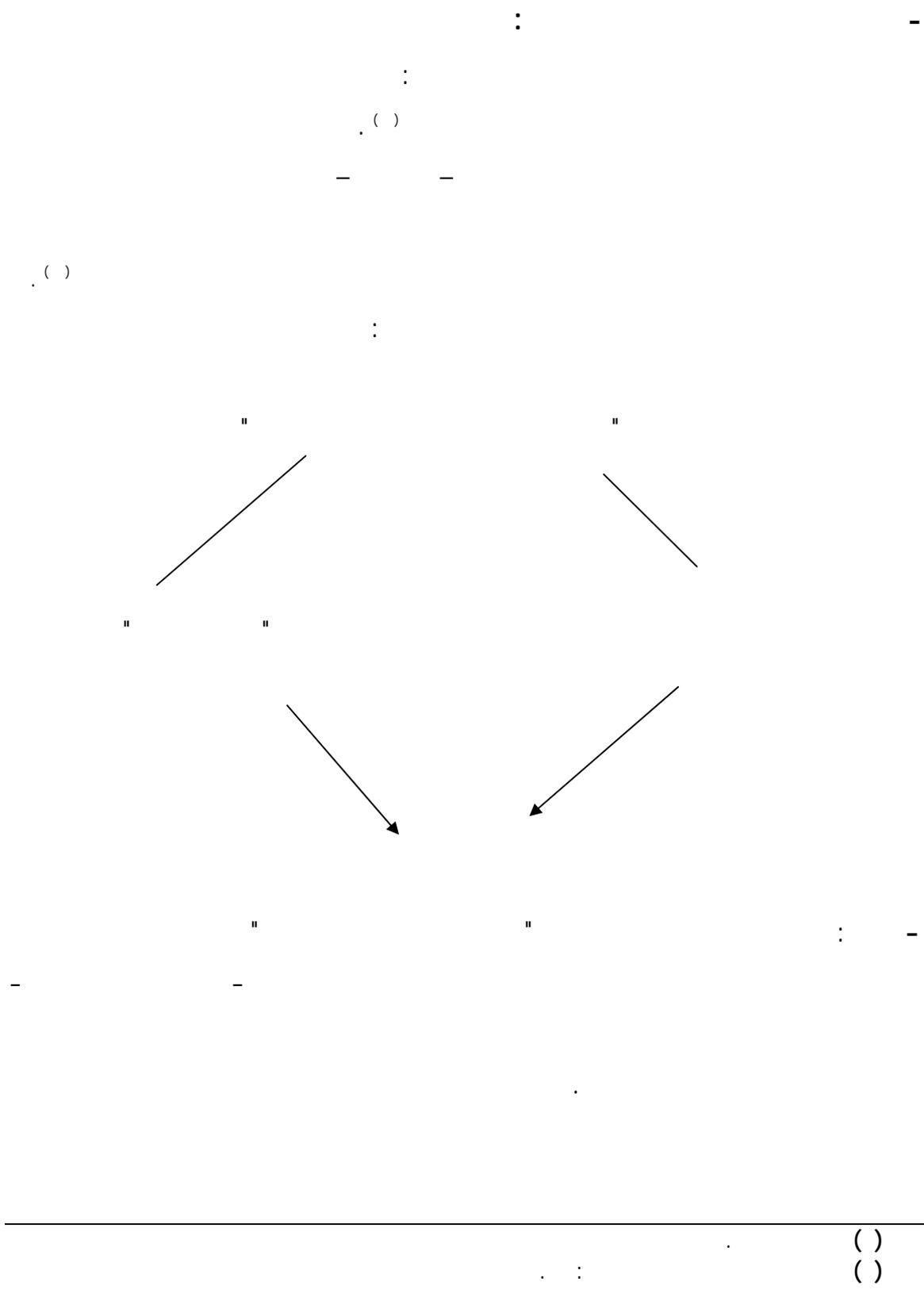
"

:

:

. () "

()
()
()



. ()

:

-

" :

. ()

" :

"

"

. () "

:

:

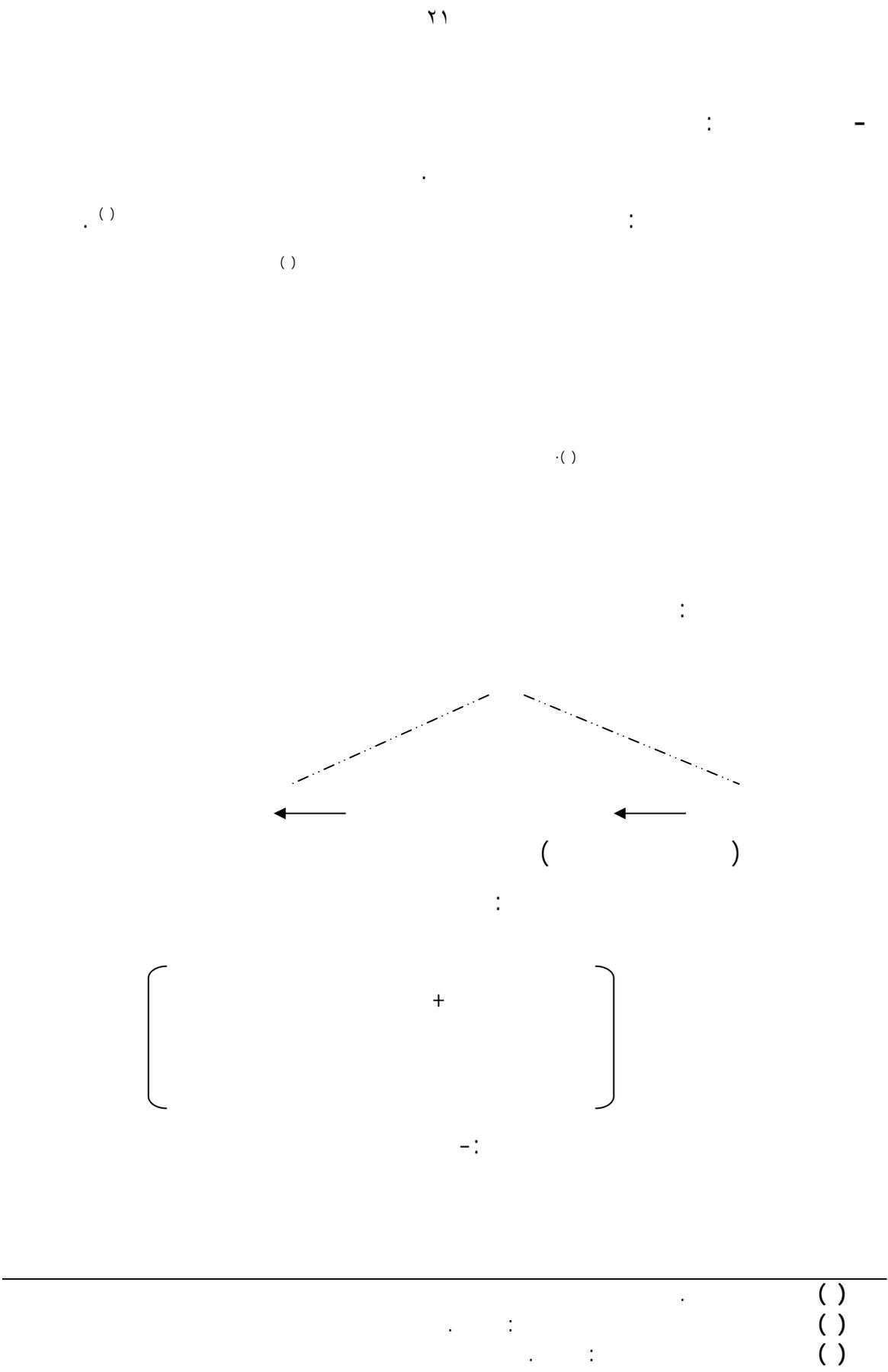
"

:

. ()"

! : ()

()
()
()
()



: -

()
)

():

()
, ()

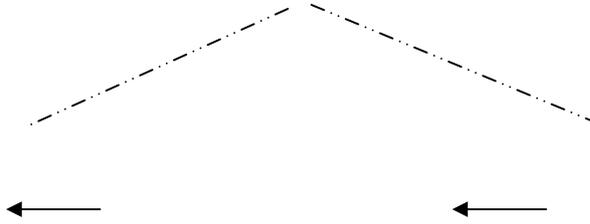
*

:

()

()

, ()



:

()

()

()

∴

" "

()

:

_____ + _____

:

-

. ()

. ()

:

:

∴

:

()

()

. () "

. :

. :

()

()

()

:

()

:



: (+):
 [()] _____ + _____
 ()
 :
 (+)

":

() "

()

()

() ()

()

*

()

()

(
(
(
(
(

:

: ()

()

:

:

:

:

. ()

" :

. () "

()
()

() ()
.

()
()

: :
: .
"

.() "

. ()

.()

(((

:

"

:" (")

:" (

:" (

:

(
(
(

|

:

:

.

: ()

()

()

:

- -

()
↓ ↓

↑

()
()

/

(_ Ø)

: .

():

()

- ()

()

()

-

:

(_ _)

/ / () ()

:

::

∅

()

()

()

٠ ()

:

-

٠ ()

()

: ()

::

.

.

.

.

.

-

-

()
()
()

:
.
.
.
.

(-)

(-)

-

-

. ()

()

() ()

: ()

(θ)

()

()
()
()

(() + ())

.

:



θ ()

()

:

()

(+)

+

(+)

(θ)

()

()

:

()



/

()
()

()

: -

()

()

:

()

" "

()

()

()

()

()

()

()
()
()
()
()

()

. ()

() - :

-

()

:

-

- ()

()

:

- :

-

"

"

:

() ()

()

()

()

()
()
()

: - - ()
 - : -

() .

()

-

. ()

. / ()
 . / ()
 . ()

" : "

()

()

:

()

- -

()

() -:

-

-

()
()

() -
()

()
() ()

:

()

()

()

-

-

()

.()

-:

-

:

:

:

*

*

()

*

:

:

.()

/

()

.

()

-

()

/

()

-:

-

()
()

:

() :

()

:

":

:

:

()

:

()

()

/ ()
 / ()
 ()

() ← () ← -:

-

()

. ()

-:

-

: ()

:

. / ()
. / ()
. / ()

*

:

()

-

-

-

-

. ()

. ()

. ()

:

:

-

. -

-



/

(((

)))

-

()

- :

-

- :

"

" :

. ()

"

" :

()

.

- :

-

()

:

()

:

-

()

:

()

/

/

()

/

()

()

()

..... /
..... /
..... /
..... /

()
()
()
()
()
()

()

()

. () "

" :

()

. ()

o.

()

:

! :

-

-

()
()
()
/

. ()

() .

*

*

∴

.

() .

()

∴

*

-

()
()
()

∴

-

() ()
 : :
 () : " " () ()
 : :
 : :
 : :
 ()
 ()

(deictic)

()

(binder)

()
()
()
()

: " : -
 : () "
 ()
 ()

.
 () : : -
 ()

:

حَضَرَ

عَدَا



. / ()
 . / ()

()

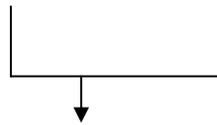
()

:

()

حَضَرَ

عَبْدِي



()

()

"

":

-

)

()

()

(

).

(

)

:

-

:

()

(

)

()

.

):

()

() ()

() ()

)

: () (

()

()

:

.

:

:

:

-

()

:

()

.

:

:

:

-

()

-

-

() :

()
()
()

":

() . "

:

:

:

-

()

()

() ()

()

()

()

()

()

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|-----|
| : | / | : | - | / | / | . | () |
| | | | | | | | () |
| | | . | : | | / | / | () |
| | | | | . | / | / | () |

()

:

:

-

() :

-

-

::

-

()

:

-

-

-

"

"

-

.

::

-

()

:

-

:

:

.

.

:

-

-

()

:

.

/

((

((

)

" :

() " :

-

.

:

:

()

()

:

:

:

()

" "

" "

" "

" :

-

-

.

:

:

.

()

()

()

()

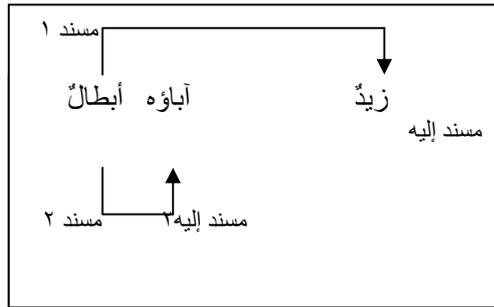
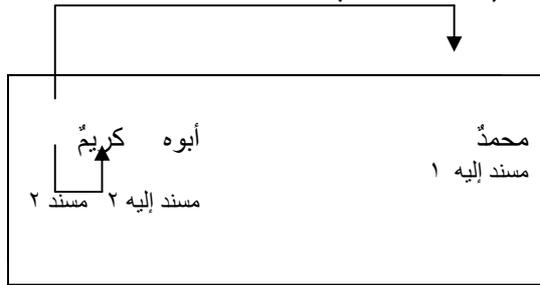
()

()

() ()

() () :

: () ()



()

()

" ()

:"

()

٧٠

-

.

:

-

" :

() "

() () -:

()

:

-

.^(١) ()

-:

()

/

()
()

. /

()
()

- ()

-

":

:

"

"

"

:

:

()

()

- - ()

:

:

-

- ()

()

.()

()

(
(
(
(

" :

:

"

":

:

() " ..

(

)

:

:

.

:

. ()

. ()

:

::

-

.

:

::

-

. ()



.

:

.

((((

():

[+]

() ()
()

() :
) [+]
() () () ()

() () () :
: ()
() () ()
() () ()
() () :

()
()

()

:

" :

! :

:

- :

:

:

()

()

:

-

()

-

-

-

.

()
()

()

()

":

() "

() :

" :

"

":

:

-

"

:

-

"

"

"

"

"

":

-

":

"

":

"

-

"

"

:

()
()

" " :

()

" "

" :

"

" :

:

"

-

[() + +]

+

+

+

+

()

:

()

:

:

()

()
()
()

:

: - -

()

:

()

()

":

()()

()

" :

()"

:

:

":

()

():

.()

.. :

(
(
(
(

()

"

"

"

":

()

. ()

()

() :

()

()

"

":

"

"

"

":

()
()

" : -
 . ()
 : -
 " " " "
 :
 () () () () ()
 () () () ()
 ()
 () () () ()
 . ()

" :

() "

:

()

()

()

.

-

)

"

":

()

(

()

)()

(:) () :)

:

()

()

()

() ()

()

()

()

: :
 - :
 :
 () " " :
 .
 - - : :
 . : :
 . : -
 () : -
 : () :
 () ()
 ()
 () "

(
(
(
(

— () ()

"

"

":

() "

—

.

":

() "

:

:

:

()

./ /

./ /

()
()
()

. " " :
 ()
 :
 .
 . ()
 - ()
 : -
 .
 () () () ()
 - () - ()
 ()
 :
 () ()
 ()
 . / ()

":

:

() ()

() ()

: :

() . "

:

(predicative structure)

(predicate)

. (selection restriction)

(functional structure)

: (constituent structure)

. ()

() .

-

() .

()

()

: ()

() () ()

() :

: ()

:

(focus) ()

(topic)

" "

() . " "

() ()

" () () ()

() " "

()
()
()

() () ()
(-) :

() .

()

()

() . ()

()

- -

() .

() .

:

:

()
()
()

: () :

() .

()

- -

()

() .

" :

() ."

:
:

((((

+

()

()

. ()

:

" :

()"

:

-

()

()"

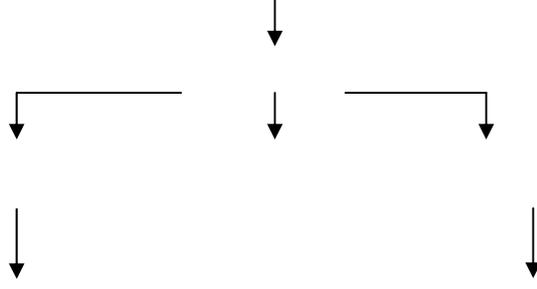
" :

() : ()

()

() :

()
()
()
()



+

"

"

()

() "

.

()
()

() + +

()

" "

(+ +)
(+ Ø +)

":

:

() "

/ / / ()
()

١٠

١١

)

١٢

()

()

()

()

":

(implicit)

)

(Short Passive)

...

(By)

(

(Personal Passive)

١٣

()

()

()

()

:
 :
 :
 () ()
 () ()
 :
 (Theme)
 (Tail)
 (Topic)
 (Focus)
)
) ()
 . () (

()
()

، () "

() " :

، ()

" :
() "

()

" :

، () (...

:

" :

"

:

) ...

()
()
()
()

٠٠)

:٠٠)



٠٠)

٠٠)
٠٠)

()

()

() ()
": ()

() ()

-

-

() =

()

()
()
()

:

()

()

:

" :

() "...

:

() . (Θ

)

-

-

(
(
(

١٠٥

() .

:

() .

"

() " ...

() .

((((

()

()

"

()

()
()
()

:

()
()

() :

()

() () : ()
() - ()

() "

" :

..... / ()
..... / ()
..... / ()

() .

::

() .

::

::

::

()

()
()
()

-

-

() . (

)

() .

())

() .

(scope)

())

() . ())

() .

" :

() " ...

()
()
()
()
()
()

()

))

()

)))

:

"

() .

() .

" :

() " ...

"

" :

() " ..

() .

/

((((

()

()

()

∴

.()

()!

-

().

-

()

-

()

()

/

-

|

|

(((((

| | | | |
|-------|-----|---------|-----|
| | () | | |
| : | | | . |
| () | | | - |
| . | | () | |
| () | | () | - |
| () | | | |
| : | | | - |
| | | () | - |
| | () | () () | - |
| () | () | : | |
| | | : | |
|) | | | () |
| .(| () | | () |
| .(| () | | |
| <hr/> | | | |
| | | | () |
| | | | () |

:

()

(theme)

()

.

()

:

:

()

()

:

() ()

-

-

()

()

:

()

()

:



((((

(.)

()

() ()

:
)

.(

()
()

:

)

"

":

).

).

()

()

(

()

-

-

()

/

()

() .

()

()

:
:

[] -

[] -

()

-()

()

()

()

()

()

() ()

:

()

()
()
()

.()

()

()

:

-

-

-

()

():

().....()() π :

π :

-:

()

()

-

-:

.

.

.

.

.

.

-

.()

:

()

()

:

.....

:

()

π

:B

:

:

()

(() :)()

.()

-: ()

(() :)

-

) ()

: (

..... () :)

-

()

()
 () () : () ()
 () " " : ()
 . :
 () :

ويشارك (كان) في هذه المسألة (أصبح، وأمسى، وأضحى) وتؤدي معنى الدخول في الأزمنة المذكورة (٣). وهذا النوع لا يمكن جعله من النواسخ، إذ إنّ له ما لسائر الأفعال في العربية،

() ()
 :



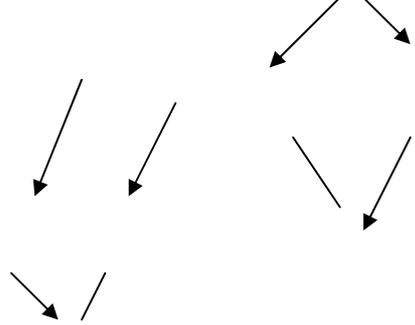
() . ()
 ()
 ()
 " : " " : " " :
 ()
 - -
 ()

()
 ()
 ()
 ()
 ()

[:]

()

[()]



()

()

:

() :

() .

(" :)

()

()

() ()

...

" :

()

()

:

()

" :

:

() " ...

"

"

()

...

()

/
 /
 /
 /
 /

()
 ()
 ()
 ()
 ()

() ()

() .

() ()

- -

() .

() .

() ()

.

()

() سيبويه، المصدر السابق ٢٨٤/١

() /

()

()

()

:

()

()

() "

"

∴

:

() ()

() .

- -

(
(
(

()
()

() .

" :

:

()"

() .

()
()
()

. : ()
:

()

" :
:

() " ..

:

: ()

()

() ())

)() () () () ()
(

((((

. ()

... "

" : ()

. :

() " ...

. ()

(()

:

() .

:

:

()

:

:

:

Θ

() . ()

()

"

":

-

()

ومما يُلاحظ على البلاغيين أنهم تناولوا موضوع الحذف للمسند والمسند إليه كلاً على حدة على خلاف النحويين الذين تناولوه وفقاً للأبواب النحوية المعروفة، فكانت تقسيمات الحذف لديهم كثيرة، وقد انحصرت لدى البلاغيين في ثلاث نواح هي: حذف المسند إليه، وحذف المسند، وحذف المفاعيل أو (المتمات).^(١)

()

()

()

-

-

-

/

()

(.)

" :

."

(.)

()

(.)

(.)

" :

(.)

(
(
(
(
(

∴

()^()

∴

()

()

()

∴

()

. / ()
 . / ()
 . / ()

()

() + ()
() ()

() ()

()

:

()

*

()

()

()
()
()

() () " : ()

()

- -

:

()

- -

() .

()
()
()

:

" :

() .

:

() :

:

()
()

. - .

. -

()

(+ +)

()

()

() .

()

" :

() "

() .

() .

()
()
()
()

() .

- -

(COMMUNICATIVE DYNAMISM)

()

() .

(MAJORCAEGORY)

(FOCALISATION)

()

...

() ←

:

. — .
. — .
. — .
. — .

(FOCUS)

- -

()
()

()

..

(())

:

()

" :

"

() .

()

() .

() .

-

-

() .

/

()
()
()
()
()
()

/

/

/

" " " " :

:

).

) ()

() :

(

().

:

(

:

+

-

+

-

-

-

(
(
(

(((

()

()

()

١٤٨

()

()

" ()

"

:

.

:

"

"

()

"

"

: ()

.

-

()

()

()

()
()

() .

() .

:

:

()

()

()

()

()

() .

()
()
()
()

:
()

" " :

: () :
() ()

:
()

) ()

(

*

(

- -

.

()
()
()

:

()

...

":

:

"

() "

:

:

-

-

:

:

:

()

()

()
()
()

:

":

()"

"

.() ()

()

!

:

()

()

()

()

().

()

()

()



/

(
(
(
(
(

(focus)

) () ()
) ()
 () () () () () ()
 . () : () () : () : ()
 () : ()
 () : ()

(intonation)

()

() :

. ! Θ

:

/ :

/ () :

()
()

()

.

:

!

θ

:

/

/

:

/

/

:



:

()

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()

()

:

()

()

()

()
()
()

. () ())
 :
 . -
 . -
 ()() :)
 () () () : ()
 .
 . :
 () :))(() :)
 (() :) () :
 ()
 ()
 ()
 _____ ()

. () "

"

. ()

()
()

:

() :

.

.(...)

:

.)

.)

()()

()

()

()

.)

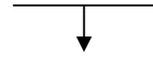
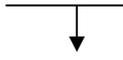


(/)

(
(
(
(
(

:

! ()
():)() :()



():

:

! :

!

θ θ

θ /

()

/

)

()

()

.()

:

(.)

()

:

(.)

()

: "

":

()

(.)

()

:

(
(
(
(

() .

:

- -

/
/

()

()

. ()

()

()

:

... " " :

" "

() ...

() ()

" " () :

" " :

" " " :

()

() ()

()
()
()

" "

:

Θ Θ
/ Θ
/ /

()

()

()

:

:

() .

" :

() ."

() .

:

:

() .

(
(
(
(

() .

* :
: :
()

() .

:
:

() .

:

(^e) (\leq) () ← ...

...

(Term Position)

() " " " ()

()
()
()
()

. (...)

() .

:

::

()

()

() ()

-
-
-
-
-
-
-
-
-
-

() ()

-
-
-
-
-

:

:

:

. ()

. ()

) . (-)

(

. ()

. () .

. ()

. -
. () _____

. () _____

. ()

. . . .

() _____

. () _____

. ()

. ()

. () _____

. ()

. ()

()

..

....

. ()

..

()

. ()

-

.()

.()

.()

.()

.()

.()

..

: .()
 . : .()
 . : .()
) .()
 . : .()
 . : .()
 : .()
 . : .()
 . : .()
) .()
 . : ()
 .()
 " "
 () .()
 . :
 () .()
 . :
 () .()
 . :
 ()
 . :
 .()

: .() _____
 () .() :
 : .
 : .()
 .() :
 : .()
 : () .()
 .()
 : .()
 .() _____
 :
 : .()
 .

. ()
- . () .
. ()
. ()

PREDICATION BETWEEN SYNTAX AND RHETORIC:**By****Imad Elddin N. Al-Shmari****Supervisor****Dr.Jafar Ababneh, Prof.****ABSTRACT**

This study aims at delineating the role of predication in Arabic syntax and rhetoric and how syntacticians and rhetoricians have tackled this subject within the framework of Functionalism Theory, which emphasizes the centrality of the context of situation in communication. In order to understand the subject with all its complexity, the study has examined a number of texts, which have, in turn, explicitly shown the importance of predication in formal syntax. It has been hopefully obvious from the preceding discussion that formal syntacticians solely believe in form rather than meaning. This is why, they devote special attention to sentence form (the parts of predication) at the expense of meaning and more often they paid no attention to the radical changes that might happen to meaning via numerous procedures required by communication process including omission, addition, definiteness, indefiniteness, fronting or postposition.

The second half of the dissertation has paid special attention to stylistic studies. It is pretty obvious from the given examples that Functionalism Theory always places heavy reliance on the context as an influential factor in sentence formation and meaning simultaneously. A piece of evidence in support of the importance is formed without a subject and a verb.

Findings show that communicative functions must be observed in syntactic research and they should be also given a priority over the formal hypotheses, which sometimes result in global misunderstanding between senders and receivers.